कोटद्वार,सोमवार
25 दिसम्बर 2023
वर्षः 45
अंकः 233 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

खेल मंत्रालय ने नए कुश्ती संघ की मान्यता रद्द की

डब्ल्यूएफआई ने नवनियुक्त अध्यक्ष संजय सिंह को भी किया सस्पेंड
–खिलाडियों के विरोध का असर

नईदिल्ली,केंद्रीय खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की नई संस्था की मान्यता रद्द कर दी है. कुश्ती महासंघ पर ये कार्रवाई राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित करने की जल्दबाजी को लेकर हुई है. मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय सिंह को भी सस्पेंड कर दिया है. संजय सिंह को बीजेपी सांसद और पूर्व डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का करीबी बताया जाता है. उन्हें भी अब सस्पेंड कर दिया गया है.दरअसल, जबसे संजय सिंह को भारतीय कुश्ती महासंग के लिए हुए चुनाव में जीत मिली और उनका अध्यक्ष बनना तय हुआ, तब से ही पहलवानों ने इस पर आपत्ति जताई थी. पहलवानों का कहना था कि संजय सिंह बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी हैं और ऐसे में डब्ल्यूएफआई में किसी भी तरह के सुधार की उम्मीद नजर नहीं आती है. हालांकि, कुश्ती महासंघ की मान्यता को और संजय सिंह को जिस वजह से सस्पेंड किया गया है, वो बिल्कुल ही अलग मामला है.

दरअसल, खेल मंत्रालय ने रविवार (24 दिसंबर) को कुश्ती महासंघ और इसके नवनियुक्त अध्यक्ष संजय सिंह को सस्पेंड कर दिया. मंत्रालय का कहना है कि डब्ल्यूएफआई ने मौजूदा नियम–कायदों की उपेक्षा की है. आधिकारिक प्रेस रिलीज में खेल मंत्रालय ने कहा है कि राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित करने का ऐलान जल्दबाजी में किया गया और नियमों का पालन नहीं हुआ. इस प्रतियोगिता का आयोजन उत्तर प्रदेश के गोंडा में होना था, जो बृजभूषण सिंह का इलाका है.

मुख्यमंत्री ने नर्सिंग अधिकारियों को प्रदान किये नियुक्ति पत्र

–चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड से पहली बार प्रदेश को मिले 1376 नर्सिंग अधिकारी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित, मुख्य सेवक सदन में उत्तराखण्ड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड द्वारा चयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। कार्यक्रम के दौरान चयनित 1376 अभ्यर्थियों में से 200 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये। शेष सभी अभ्यर्थियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले नर्सिंग अधिकारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि चयनित सभी नर्सिंग अधिकारी लगन व कड़ी मेहनत के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे और राज्य के विकास व जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि नर्सिंग अधिकारी का दायित्व बहुत महत्वपूर्ण है। ग्राउंड लेवल पर समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के मुद्दों पर जनता को शिक्षित करने का दायित्व भी नर्सिंग अधिकारियों पर है। आपातकालीन स्थितियों में आपकी तत्परता और उत्कृष्टता लोगों के लिए जीवन रक्षा का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक कार्य किए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में ह्लआयुष्मान भारत योजनाह्व प्रदेशवासियों के लिए वरदान साबित हुई है। राज्य में सभी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले,इसके लिए राज्य सरकार द्वारा उत्तराखण्ड अटल आयुष्मान योजना से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। ई–संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवाएं सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई हैं।

IHMS KOTDWAR
Institute of Hospitality, Management & Sciences
"Journey Towards Excellence"
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University)
Approved By: All India Council of Technical Education (AICTE), Government of Uttarakhand and Ministry of Education
Admissions Open 2024-25
LIMITED SEATS
CHM
(CERTIFICATE IN HOTEL MANAGEMENT)
WINTER BATCH
Admissions Start For (January 2024)
JOB OPPORTUNITIES
RAMADA · The Fern · CROWNE PLAZA · JAYPEE HOTELS & RESORTS · COUNTRY · COURTYARD Marriott AHMEDABAD · SAYAJI · WELCOMHOTEL · PRIDE · HYATT · TAJ HOTELS & RESORTS · Marriott HOTELS & RESORTS · RAFFLES
PROGRAMMES AVAILABLE
M.B.A. 2 Years | M.C.A 2 Years | B.H.M. 4 Years | B.B.A. 3 Years | B.C.A. 3 Years | B.Sc. IT 3 Years | C.H.M. 1 Year
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

मुख्यमंत्री धामी ने किया विशाल युवा पद यात्रा कार्यक्रम में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पवेलियन ग्राउंड, देहरादून में आयोजित विशाल युवा पद यात्रा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि अटल जी ने उत्तराखण्ड राज्य बनाया था और अब मोदी जी उत्तराखण्ड को संवार रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी जो कहते है वो करते हैं। भारत को पुनः विश्व गुरू बनाने के लिए वे निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर भारत को नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण का सपना

–अटल जी ने उत्तराखण्ड राज्य बनाया था और अब मोदी जी उत्तराखण्ड को संवार रहे हैं : सीएम

सच होने जा रहा है। काशी में बाबा विश्वनाथ का पुनरोद्वार हुआ है। उज्जैन में बाबा महाकाल कॉरिडोर का निर्माण हुआ है। केदारनाथ के पुनर्निर्माण कार्य हुए हैं और बदरीनाथ में मास्टर प्लान के तहत कार्य हो रहे हैं। कश्मीर से धारा–370 समाप्त हुई है। मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से निजात मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मेदी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड में हर क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहे हैं। राज्य में 23 वर्ष में पहली बार भर्तियों में घोटाले करने वालों पर कड़ी क़ानूनी कार्रवाई के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। धर्मांतरण रोकने के लिए कानून लागू किया गया है। लैंड जिहाद और लव जिहाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। उत्तराखंड में समान नागरिक आचार संहिता कानून के लिए बनाई गई समिति ने ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। ड्राफ्ट मिलते ही सरकार इसे लागू करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। राज्य की महिलाओं को राज्य की प्रतियोगी परीक्षाओं में 30 प्रतिशत के क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था की गई है। राज्य के कई क्षेत्रों में राजस्व पुलिस की जगह रेगुलर पुलिस की तैनाती की जा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड, डेस्टिनेशन उत्तराखंड के रूप में निवेश का हब बनने जा रहा है। इसी माह देहरादून में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया। इससे पूर्व विदेशों और देश के बड़े शहरों में जाकर राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए रोड शो के माध्यम से करार किये गये। जो निवेश प्रस्ताव राज्य को प्राप्त हुए हैं, उनकी ग्राउडिंग के लिए तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में चाहे मूल निवास का मुद्दा हो, भू–कानून का मुद्दा हो या अन्य कोई भी जनहित से जुड़े मुद्दे हों राज्य के हित में जहां पर भी जो भी जरूरत पड़ेगी, हम उसमें एक प्रसेंट भी पीछे रहने वाले नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

लोक संस्कृति दिवस पर पर्वतीय गांधी को अर्पित किए श्रद्धा सुमन

विकासनगर। पछुवादून और जौनसार बावर में पहाड़ के गांधी स्व. इंद्रमणि बडोनी की जयंती को लोक संस्कृति दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर शिक्षण संस्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। राजनैतिक, सामाजिक संगठनों ने स्व. बडोनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उत्तराखंड क्रांति दल ने डाकपत्थर स्थित कार्यालय पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। उक्रांद के केंद्रीय संरक्षक सुरेंद्र कुकरेती ने कहा कि बडोनी के सपने अभी पूरे नहीं हुए हैं। हम सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राज्य के विकास में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कहा कि राज्य की अपनी संस्कृति के उत्थान में काम करना होगा। पहाड़ के विकास के लिए एक लंबी रेखा खींचकर दिखानी होगी, जिससे पलायन पर अंकुश लगने के साथ ही सीमांत क्षेत्र को सुरक्षित रखा जा सके। जिला अध्यक्ष गणेश काला ने कहा कि प्रदेश में मूल निवास 1950, हिमाचल की तर्ज पर भू कानून लागू किया जाना जरूरी है। यही पहाड़ के गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ये उनकी सादगी और समझ थी कि पृथक उत्तराखंड राज्य के लिए एक सीधे सादे व्यक्तित्व ने पूरे जनमानस को एकत्र कर अलग राज्य की गूंज पूरे देश दुनिया में उठाई।

सामूहिक विवाह : 52 जोड़ों ने एक साथ लिए फेरे

देहरादून। श्री बालाजी सेवा समिति की ओर से सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इसमें 52 जोड़ों का विवाह करवाया गया। समारोह में आए हर किसी ने नवदंपति को आशीर्वाद दिया। हिंदू नेशनल स्कूल में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि सांसद नरेश बंसल ने कहा की समिति की ओर से छोटे स्वरूप में की गई ये शुरुआत आज बड़ा रूप ले चुकी हैं। इनसे सभी को सीख लेनी चाहिए कि बेटियां बोझ नहीं जिम्मेदारी है। विधायक खजानदास और भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने समिति को इस आयोजन की बधाई दी। वहीं, समिति की ओर से 52 निर्धन कन्याओं के विवाह को लेकर शुक्रवार से भव्य आयोजन शुरू हो चुके थे। इसके तहत पहले दिन संगीतमय श्री सुंदरकांड पाठ किया गया। शनिवार को कालिका मार्ग स्थित कालिका मंदिर से बारात की निकली, जो रात्रि विश्राम के बाद रविवार को हिंदू इंटरनेशनल स्कूल ग्राउंड स्थित पंडाल में पहुंची।

राज्यपाल ने किया सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा पंजाब के शताब्दी महासम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रतिभाग

–सनातनी संस्कृति के संस्कार और मानव मूल्य पूरे समाज में स्थापित हों : राज्यपाल

हरिद्वार। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने रविवार को सप्तऋषि आश्रम, सप्त सरोवर हरिद्वार में सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा पंजाब के शताब्दी महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। राज्यपाल ने शताब्दी महासम्मेलन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा पंजाब अपना शताब्दी वर्ष मना रही है। उन्होंने प्रतिनिधि सभा का उल्लेख करते हुए कहा कि संस्था ने 100 वर्ष के इतिहास में धर्म के प्रचार, शिक्षा के विस्तार, संस्कृति के संरक्षण, समाज के कल्याण और राष्ट्र के उत्थान में अपनी निष्काम सेवायें देते हुए समय–समय पर अपने योगदान से इसे प्रमाणित भी किया है।

राज्यपाल ने कहा कि सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा ने अपने शताब्दी वर्ष में सात राज्यों की सनातन धर्म सभाओं और शिक्षण संस्थानों के सहयोग से वर्ष भर अनेक प्रकार के धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, सामाजिक और राष्ट्रीय समारोहों का आयोजन किया और सनातन धर्म के लोक कल्याणकारी स्वरूप को जन–जन तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया। भारत रत्न पण्डित महामना मदन मोहन मालवीय का जिक्र करते हुये राज्यपाल ने कहा कि महामना मालवीय जी ने जिस महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा की 1923 में स्थापना की थी, वह अपने उद्देश्य की प्राप्ति में पूरी तरह से सफल रही। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधि सभा ने शिक्षा के व्यापक स्तर पर विस्तार के लिए देश के उपेक्षित और पिछड़े क्षेत्रों में स्कूल और कॉलेज के स्तर की अनेक सनातन धर्मी शिक्षा संस्थाएँ खोलने का महान कार्य किया है और आधुनिक युवा पीढ़ी को शिक्षित करने के साथ–साथ उन्हें संस्कारी और जिम्मेदार नागरिक बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। राज्यपाल कहा कि संस्था द्वारा अपने अंतरंग संस्था सनातन धर्म शिक्षा समिति के सहयोग से सनातन धर्म के स्कूलों और कॉलेजों में नैतिक शिक्षा का प्रचार–प्रसार करना, समाज और राष्ट्र के प्रति जवाबदेह, सच्चे और श्रेष्ठ नागरिक बनाना बहुत ही सराहनीय कदम हैं। राज्यपाल ने सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा की इस बात के लिए प्रशंसा की कि उन्होंने अपने शताब्दी वर्ष में शिक्षा संस्थाओं के श्रेष्ठ प्राचार्यों, प्राध्यापकों और शिक्षकों को सम्मानित करते हुए यह प्रकट किया है कि वह सच्चे अर्थों में ही सनातन संस्कृति के आचार्य देवो भव के मूल मंत्र को समाज में फैलाकर शिक्षकों के सम्मान का संदेश समूचे समाज को दे रही है। उन्होंने इस मौके पर आह्वान करते हुये कहा कि विभिन्न प्रदेशों के शिक्षा बोर्ड और विश्वविद्यालयों के मेधावी छात्रों तथा अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाले छात्रों आदि की एक ऐसी अमृत पीढ़ी को तैयार करना है, जो आने वाले वर्षों में देश के कर्णधार बनेंगे, जो देश को नेतृत्व और दिशा देगी। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे ज्ञानी गुरुओं के बल पर ही हमारे राष्ट्र को विश्व गुरु बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तथा आज भी शिक्षकों का दायित्व है कि वे उसी निष्ठा से विद्यार्थियों का भविष्य निर्माण करके देश का भविष्य संवार सकते हैं ।

सीएम से शिष्टाचार भेंट की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में सांसद सुखवीर सिंह बादल, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी, पूर्व सांसद प्रेम सिंह चन्दुमाजरा और पूर्व राज्यसभा सदस्य बलविंदर सिंह ने शिष्टाचार भेंट की।

हरिद्वार–ऋषिकेश हाईवे पर ट्रैफिक व्यवस्था फेल

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में जाम से निपटने के पुलिस के सभी इंतजाम फेल होते दिख रहे हैं। वीकेंड पर रविवार को पर्यटकों के उमड़ने से श्यामपुर में रेलवे फाटक के आसपास ट्रैफिक व्यवस्था फिर बेपटरी हो गई। जाम के कारण वाहनों की लंबी कतारें श्यामपुर फाटक से लेकर नेपाली फार्म फ्लाईओवर तक लगी रहीं। ऋषिकेश से हरिद्वार जाने वाले वाहनों की भी यही स्थिति रही।

शहर में भी मुख्य मार्ग से लेकर आंतरिक मार्गों पर दिनभर वाहन रेंग–रेंगकर चले। यातायात को सुचारु रखने के लिए पुलिस भी मुस्तैद नजर नहीं आई। वीकेंड के लिए ऋषिकेश के लिए तैयार ट्रैफिक प्लान भी हवा–हवाई हो गया, इससे हरिद्वार–ऋषिकेश राजमार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ते ही जाम की स्थिति नजर आई। दिनभर पर्यटक और स्थानीय लोग जाम से परेशानी झेलते नजर आए।सीओ संदीप नेगी ने बताया कि पुलिस यातायात को सुचारु रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रही है, मगर श्यामपुर में रेलवे फाटक के आसपास हाईवे संकरा होने से दिक्कत पैदा हो रही है।

6.15 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कोटद्वार : कोतवाली पुलिस ने 6.15 ग्राम स्मैक के साथ दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड द्वारा वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड को नशामुक्त ("ड्रग्स फ्री देवभूमि") बनाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौडी गढ़वाल श्वेता चौबे ने जनपद में नशा, मादक पदार्थों एवं ड्रग्स की बढ़ती प्रवृति पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने व अवैध तरीके से नशीले पदार्थों का क्रय-विक्रय करने वालों के विरूद्ध चैकिंग अभियान चलाकर वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया है। जिसके क्रम में कोतवाली कोटद्वार पुलिस टीम द्वारा दौराने चैकिंग अभियुक्त रोहन नेगी एवं आदित्य अधिकारी को 6.15 ग्राम अवैध स्मैक के साथ रेलवे फाटक कोटद्वार के पास से गिरफ्तार किया गया। कोतवाली से मिली जानकारी के अनुसार रोहन नेगी निवासी काशीरामपुर तल्ला को 3.15 ग्राम, आदित्य अधिकारी निवासी शिवराजपुर को 3 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक जयपाल सिंह, उपनिरीक्षक कमलेश शर्मा, नवीन पुरोहित, कांस्टेबल पवनीश कवि, हेड कांस्टेबल उत्तम सिंह चौहान, कांस्टेबल आशीष बिष्ट, शूरवीर सिंह आदि शामिल थे।

जयन्ती पर इन्द्रमणि बडोनी को किया याद

कोटद्वार : राजकीय पूर्व माध्यमिक और राजकीय प्राथमिक विद्यालय असनखेत में धूमधाम से मनाई गई इंद्र मोहन बड़ोनी उत्तराखण्ड के गांधी स्व. इन्द्रमणि बडोनी की जयंती। इस मौके पर चित्रकला सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वहीं बच्चों ने लोकगीत, लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। इस दौरान देवेश्वरी रावत ने इन्द्र मोहन बड़ोनी के बारे में छात्रों को विस्तृत जानकारी दी। भावना वर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों को उत्तराखंड के महान विभूतियां के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है। कार्यक्रम में कमला रावत, सिद्धार्थ कुमार, मनोज शाह, विनीता रौतेला, अरुण मैंदौला उपस्थिति थे। कार्यक्रम का संचालन सतपाल रावत ने किया।

गुलदार के हमले में महिला घायल, क्षेत्र में दहशत का माहौल

हंस फाउंडेशन अस्पताल सतपुली में चल रहा महिला का उपचार, वन विभाग ने लगाया पिंजरा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रविवार दोपहर में ग्राम कुण्ड ढाढूखाल के सतपुली-पौड़ी मार्ग पर सड़क के नीचे की तरफ गांव की कुछ महिलाएं मवेशियों के लिए घास काटने के लिए गई थी। इसी दौरान गुलदार ने एक महिला पर हमला कर घायल कर दिया। महिला का हंस फाउंडेशन अस्पताल सतपुली में उपचार चल रहा है। वन विभाग ने गुलदार को पकड़ने के लिए घटनास्थल के आसपास पिंजरा लगा दिया है।

रविवार दोपहर को श्रीमती शांति देवी पत्नी राजपाल सिंह गांव की महिलाओं के साथ मवेशियों के लिए घास लेने के लिए गांव के पास ही गई थी। इसी दौरान अचानक गुलदार ने शांति देवी पर हमला कर घायल कर दिया। उसके छाती और हाथ में गंभीर चोट आई है। अन्य महिलाओं द्वारा शोर मचाने पर गुलदार महिला को छोड़कर जंगल में भाग गया। किसी तरह और महिला की बहादुरी से वह गुलदार के हमले में बाल-बाल बच गई। महिला को फौरन हंस फाउंडेशन हस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के तत्काल राजस्व उपनिरीक्षक सुदामा रावत एवं वन क्षेत्र अधिकारी ललित नेगी अपनी टीम के साथ घायल महिला का हालचाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचे। वन क्षेत्र अधिकारी ललित नेगी ने बताया कि घायल महिला को फिलहाल प्राथमिक उपचार के लिए 5000 हजार की राशि दी गई है, बाकी राशि मेडिकल परीक्षण के बाद दी जाएगी। उन्होंने बताया कि रोड़ के किनारे घनी झाड़ियां है। जिस कारण गुलदार घात लगाकर बैठा था। ज्ञात हो की घटना स्थल के 100 मीटर पर राउमा विद्यालय ढाढूखाल है। इसके अलावा ग्राम कुंड के छात्र-छात्राएं राइका बिलखेत और पुरियाडांग पढ़ने जाते हैं। जिससे क्षेत्रवासियों में दहशत का मौहाल बना है। वन क्षेत्र अधिकारी ने क्षेत्र वासियों से अनुरोध किया कि वह अपने रोजमर्रा के कार्यों के लिए अकेले न जाए और सतर्कता बरतें। नौनिहालों को विद्यालय में अकेले नहीं जाने दे, विद्यालय तक छोड़ने जाए। साथ ही अपने मवेशियों को और स्वयं को समय पर अपने दैनिक कार्यों को निपटा कर घर में रहें सुरक्षित रहे। आवश्यक हो तभी असमय घर से बाहर निकले। साथ ही समूह में ही घर से बाहर जाएं। उन्होंने कहा कि वन विभाग ने गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा दिया है। किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें और अपने साथ साथ दूसरे जनों को भी सुरक्षित और सतर्क रखें।

देश का युवा चरित्रवान और कर्तव्यनिष्ठ होना आवश्यक

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : यदि किसी भी देश का युवा चरित्रवान और कर्तव्यनिष्ठ हो तो उस देश का निश्चित ही विकास होता है और वह तरक्की की मार्ग पर निरन्तर बढ़ता है। यह सभी गुण एक स्वयं सेवी के अंदर विद्यमान होते हैं।

उक्त वाक्य राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवराड़ी में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान वीर चंद्र सिंह गढ़वाली राजकीय इंटर कॉलेज मासौ थलीसैंण के प्रभारी प्रधानाचार्य सुरेश लाल आर्य ने कही। वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा महिला मंगल दल की अध्यक्षा श्रीमती बबीता देवी ने सभी स्वयं सेवियों व अन्य गणमान्य लोगों का अभिवादन कर स्वागत किया और एनएसएस द्वारा संचालित कार्यक्रमों को गांव की सभी महिलाओं में प्रचारित कर उस पर ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया। उधर कार्यक्रम अधिकारी रोहित चौधरी ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना से लेकर वर्तमान स्थिति के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए स्वयं सेवी व जनमानस से उनको आत्मसात करने का आग्रह किया। उन्होंने शिविर में नशा मुक्त तथा संस्कार युक्त उत्तराखंड बनाने, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण संरक्षण समेत अन्य विषयों पर भी चर्चा की। वहीं एनएसएस सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती आरती बिष्ट ने नशा मुक्त व संस्कार युक्त उत्तराखंड के विषय को लेकर स्वयं सेवियों व अन्य लोगों को शपथ दिलाई। इधर शिविर के शैक्षिक सत्र के दौरान रसायन विज्ञान प्रवक्ता डॉ. नवनीत सिंह ने स्वयं सेवियों को पर्सनल हाइजीन पर विशेष टिप्स देकर उन्हें वास्तविक जीवन को जीने तथा भविष्य को सुधारने के मूल मंत्र बताएं। इस मौके पर स्वयं सेवियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में राप्रावि देवराडी की प्रधानाध्यापिका मंथा देवी, एसएमसी अध्यक्ष सुनीता देवी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह, ग्राम सभा सदस्य सिंधी देवी, प्रधानाचार्य सुरेश लाल आर्य, महिला मंगल दल अध्यक्ष बबीता देवी, कार्यक्रम अधिकारी रोहित चौधरी, कनिष्ठ लिपिक हिमांशु पटवाल, सुरेश देवी, बिंदी देवी, सिंधी देवी, सोबन सिंह आदि मौजूद थे।

छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देती हुई।

जन्मदिवस पर इंद्रमणी बड़ोनी को दी श्रद्धाजंलि

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : उत्तराखंड के गांधी स्व. इंद्रमणि बडोनी के जन्मदिन को लोक संस्कृति दिवस के रूप में मनाया गया। क्षेत्र के सभी शिक्षण संस्थानों में स्व. इंद्रमणि बडोनी के जन्मदिन पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

जीआईसी कोचियार में छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा के साथ लोकगीत, लोकनृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

प्रधानाचार्य अफसर हुसैन ने लोक संस्कृति दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य आंदोलन में स्व. बडोनी की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए उन्हें उत्तराखंड के गांधी के रूप में माना जाता है। शिक्षक विनोद डबराल ने उत्तराखंड राज्य प्राप्ति के लिए किए गए आंदोलन व जन संघर्ष में स्व. इंद्रमणि बडोनी की भूमिका की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में दिनेश जोशी, चंदन नेगी, विजय कुमार, चंद्रमोहन ध्यानी, मुन्नी जोशी, सुनीता मुरारी, मीना चंदोला, चारुल, दीपिका, बचे सिंह रावत, चंद्रमोहन नेगी, नरेश कुमार आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन चंद्रमोहन ध्यानी ने किया।

शिविर में स्वयं सेवकों को रक्तदान का महत्व बताया

एनएसएस के स्वयं सेवी जन जागरूकता रैली निकालते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल देवी रोड़ कोटद्वार की रोसेयो इकाई के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन बौद्धिक सत्र में विद्यालय के प्रधानाचार्य डीएम रतूड़ी ने स्वयं सेवी छात्र-छात्राओं को उत्तराखंड आंदोलन की शुरुआत करने वाले इंद्रमणि बड़ोनी को उत्तराखंड का गांधी क्यों कहा जाता है, इसके पीछे बडोनी की महान तपस्या व त्याग है। राज्य आंदोलन को लेकर उनकी सोच और दृष्टिकोण को लेकर आज भी उन्हें याद किया जाता है।

प्रधानाचार्य ने बताया कि इंद्रमणि बड़ोनी का जन्म आज ही के दिन यानी 24 दिसंबर 1925 को टिहरी जिले के जखोली ब्लॉक के अखोड़ी गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम सुरेश चंद्र बडोनी थे। साधारण परिवार में जन्मे बड़ोनी का जीवन अभावों में गुजरा। उनकी शिक्षा गांव में ही हुई। देहरादून से उन्होंने स्नातक की उपाधि हासिल की थी। वह ओजस्वी वक्ता होने के साथ ही रंगकर्मी भी थे। लोकवाद्य यंत्रों को बजाने में निपुण थे। आज उत्तराखण्ड उनका जन्म लोक संस्कृति दिवस के रूप में मना रहा है। इस मौके पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि उत्तराखंड के गांधी ने सदैव मानवता एवं पर्वतीय प्रदेश के लिए संघर्ष किया। उत्तराखंड का अलग राज्य देखने से पहले ही वह हमारे बीच से चले गए। उन्होंने बच्चों को बेहतर भविष्य निर्माण की कड़ी बताया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी लोक संस्कृति पर गर्व होना चाहिए।

शिविर के दूसरे दिन शनिवार को समाज सेवी दलजीत सिंह ने रक्तदान के संदर्भ में लोगों के मन में जो भ्रांतियां हैं, उनका निराकरण करते हुए रक्त के कार्य, रक्त ग्रुप रक्तदान के लाभ बताते हुए स्वयं सेवियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान करना बहुत ही अच्छा कार्य है। रक्तदान करने से शरीर हमेशा स्वस्थ रहता है। 18 से 60 वर्ष के स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदान करने से जरूरतमंद लोगों को रक्त की पूर्ति होती है व शरीर के लिए लाभदायक भी होता है।

गंभीर बीमारी वाले व्यक्ति जैसे ब्लड प्रेसर, मधुमेह, हृदय रोग से ग्रसित लोगों को रक्तदान नहीं करना चाहिए। रक्तदान करने से कई फायदे है। हमारे शरीर में नए रक्त की उत्पत्ति होती है। जिससे शरीर हमेशा स्वस्थ रहता है। हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक, अध्यापिकाएं और बच्चे उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री और महापौर ने शहीद के परिजनों को बंधाया ढांढस

अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर देता है : बुड़ाकोटी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रविवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेन्द्र सिंह नेगी एवं नगर निगम कोटद्वार की प्रथम महिला महापौर श्रीमती हेमलता नेगी ने जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकी हमले में शहीद हुए कोटद्वार निवासी राइफलमैन गौतम कुमार (29) के घर पहुंचकर परिवार जनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और सांत्वना दी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए दुःख की इस घड़ी में परिवार जनों को हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया। पूर्व मंत्री ने कहा कि प्रदेश के रणबांकुरों ने जरूरत पड़ने पर सदैव देश की माटी के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी दी है। हम इस पर गर्व करते हैं, वीरगति को प्राप्त हुए कोटद्वार, उत्तराखंड के लाल को नमन करते हैं। जिस वीरता के साथ भारतीय सैनिक देश के दुश्मनों का सामना कर रहे हैं, उसी भावना के साथ पूरा देश सैनिकों के इस जज्बे को सलाम कर रहा है। इस मौके पर कांग्रेस पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष धीरेंद्र बिष्ट, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव बृजपाल नेगी आदि मौजूद थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति

थलीसैंण : राजकीय इंटर कॉलेज थलीसैंण में इंद्रमणि बडोनी का जन्मदिवस लोक संस्कृति दिवस रूप में मनाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें झूमेलो, लोकगीत, लोक नृत्य, मंगलगीत, उत्तराखंड राज्य गीत शामिल थे। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी महोदय के प्रतिनिधि के रूप में गीता राम पंत, वरिष्ठ विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक, चमन उनियाल, प्रकाश पोखरियाल, अमित चौहान, विवेक पोखरियाल, पप्पू कुमार, दिनेश कुमार, सुरेंद्र नेगी, आरती, मनोरमा, मनीषा, रश्मि आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कंडारा में अनूप भारती मेमोरियल पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में नन्ने-मुन्नें बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

वार्षिकोत्सव में पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि शिक्षा के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए अच्छी शिक्षा देने का काम अनूप भारती मेमोरियल पब्लिक स्कूल कर रहा है। इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्कूल के प्रबंधक कुलदीप सिंह गुसाईं ने स्कूल की प्रगति मुख्य अतिथियों और अभिभावकों के समक्ष रखी। वार्षिकोत्सव समारोह का शुभारंभ पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी, जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी और क्षेत्र पंचायत प्रमुख दीपक खुगशाल ने किया। समारोह में पहुंची जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्र में बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए ऐसे स्कूल बहुत बधाई के पात्र है। विद्यालय के प्रबंधक कुलदीप सिंह गुसाईं ने कहा कि हमारा प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों से शिक्षा के लिए लोगों को पलायन न करना पड़े।

विद्या भारती की योजना, उत्पति, लक्ष्य और उद्देश्य के बारे में बताया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विद्यालय रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जानकीनगर कोटद्वार में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वाधान में द्वि दिवसीय संकुल स्तरीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य कुंज बिहारी भट्ट ने विद्या भारती योजना के बारे में विचार साझा किए। उन्होंने विद्या भारती की योजना, उत्पति, लक्ष्य और उद्देश्य के बारे में बताया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या भारती द्वारा नियुक्त मुख्य प्रशिक्षक पार्वती प्रेमा जगती नैनीताल के प्रधानाचार्य डॉ. सूर्य प्रकाश, आनंद स्वरूप आर्य विद्या मंदिर रुड़की के प्रधानाचार्य अमरदीप सिंह एवं सहायक प्रशिक्षक आचार्य मनोज कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती, प्रबंधक राजेंद्र जखमोला, उपाध्यक्ष मीनाक्षी शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया। विद्यालय के मीडिया प्रभारी रोहित बलोदी ने बताया कि कार्यक्रम में पौड़ी संकुल के कोटद्वार क्षेत्र अंतर्गत शिशु एवं विद्या मंदिरों के 120 आचार्यों का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जा रहा है। रविवार को प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम सत्र में अमरदीप सिंह ने विषय पाठ्यचर्या लेसन प्लान के बारे में आचार्य को प्रशिक्षण दिया। द्वितीय सत्र में डॉ. सूर्य प्रकाश ने 21वीं सेंचुरी के आधार पर कौशल एवं सृजनात्मक कार्यों के बारे में आचार्य को प्रशिक्षित किया। चतुर्थ सत्र में मनोज कुमार ने कम्युनिकेशन स्किल और कोलैबोरेशन क्रिएटिविटी और क्रिटिकल थिंकिंग पर प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य कुंज बिहारी भट्ट, चंदन सिंह नकोटी, निर्मल केमनी, रणवीर निर्मोही, महेंद्र सिंह, उप प्रधानाचार्य राहुल भाटिया, रोहित बलोदी, शिवराम बडोला, राजन कुमार शमा, संगीता रावत, मधुबाला नौटियाल आदि मौजूद थे।

छात्र-छात्राओं ने लोकगीत और लोकनृत्य की शानदार प्रस्तुति दी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : एकेश्वर प्रखण्ड के पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में आयोजित लोक संस्कृति दिवस कार्यक्रम में उत्तराखण्ड के गांधी स्व. इन्द्रमणि बडोनी की जन्म जयन्ती पर छात्र-छात्राओं ने लोकगीतों और लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां देकर उन्हें विनम्र श्रद्धाजंलि दी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य, एनएसएस के गढ़वाल मंडल कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी, शिक्षक कैलाश सिंह रावत, प्रमोद रमोला, दिनेश बिष्ट, प्रमोद रावत, नीरज रमोला, प्रकाश कैंथोला ने स्व. इन्द्रमणि बडोनी के चित्र पर माल्यार्पण करके और पुष्पवर्षा करके किया। प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि पृथक उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने के साथ ही इन्द्रमणि बडोनी गांधीवादी विचार धारा के पोषक और लोक संस्कृति के संवाहक थे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए शिक्षक प्रकाश कैंथोला ने इन्द्रमणि बडोनी के व्यक्तित्व और कृतित्व को रेखांकित किया। नवीं कक्षा के छात्र अंशु रावत और सातवीं कक्षा की छात्रा कनिष्का कैंथोला ने भी इन्द्रमणि बडोनी के जीवन दर्शन को रेखांकित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली लोकगीतों और लोकनृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियां देकर लोक संस्कृति के रंग बिखेरे। कार्यक्रम में प्रस्तुतियां देने में जीविका, प्रियांशी, गौरी, साक्षी, यशवी, रिया, दिया, प्रेरणा, आरुषि, सोनाली, यशिका, हिमानी, निधि, जिया, सपना, अंशिका, गीता ने सहयोग किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए छात्राएं।

छात्रों को सत्य के रास्ते पर चलने को प्रेरित किया

कोटद्वार : नवयुग पब्लिक स्कूल पदमपुर मोटाढाक कोटद्वार में उत्तराखण्ड आंदोलन के अग्रदूत व उत्तराखण्ड के गांधी इंद्रमणी बडोनी की जयन्ती को लोक संस्कृति दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम नेगी ने इंद्रमणि बडोनी के चित्र पर पुष्प अर्जन कर उन्हें श्रधांजलि दी। प्रधानाचार्या ने सभी बच्चों को उत्तराखण्ड राज्य निर्माण के लिए इंद्रमणि बडोनी के संघर्ष की विस्तृत जानकारी दी। कहा कि उन्होंने गांव-गांव जाकर नृत्य नाटिका, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और आंदोलनों के माध्यम से लोगों को उत्तराखण्ड राज्य बनाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने सभी छात्रों को सत्य के रास्ते पर चलने को प्रेरित भी किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने लोक गीत, नृत्य, जागर, थड़िया, चौंफला आदि की प्रस्तुतियां देकर सभी का मंनोजरन किया। इस मौके पर नवयुग विद्यालय के प्रबंधक दिनेश चन्द्र सिंह नेगी, प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम नेगी समेत समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी आदि मौजूद थे।

लोक संस्कृति दिवस के स्प में मनाई इंद्रमणि बडोनी की जयंती

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड के गांधी के नाम से प्रसिद्ध इंद्रमणि बडोनी की जयंती को कल्जीखाल के राजकीय इंटर कॉलेज पुरियाडांग में लोक संस्कृति दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में काश्तकार प्रमोद खंडूड़ी ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर स्वर्गीय बडोनी के क्षेत्रफल मल्यार्पणकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर सरस्वती वंदना से शुरू हुए कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा लोक नृत्य एवं रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। वहीं वक्ताओं ने स्वर्गीय बडोनी के जीवन वृत्त पर इस दौरान प्रकाश डाला तथा उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस मौके पर पूर्व पीटीए अध्यक्ष एवं समाजसेवी जगमोहन डांगी, प्रधानाचार्य मनोज कुमार घुनियाल, पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह नेगी, अशोक रावत आदि मौजूद थे।

भू-कानून, मूल निवास को लेकर किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : भू-कानून, मूल निवास 1950 और सभी तहसीलों में मूल निवास प्रमाण पत्र बनाए जाने को लेकर सतपुली चौराहे पर क्षेत्रीय लोगों द्वारा प्रदर्शन किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री के नाम पत्र भी भेजा। जिसमें स्थानीय लोगों द्वारा अपना समर्थन देते हुए हस्ताक्षर किया गया।

रविवार को उत्तराखंड में भू कानून, मूल निवास 1950 को लेकर वर्षों से उत्तराखंड वासियों द्वारा की जा रही मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए लोगों ने नाराजगी जताई। प्रदर्शन का नेतृत्व डब्बल मियां द्वारा किया गया।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के मूल निवासियों को अपने ही प्रदेश में दोयम दर्जे का बना दिया गया है और उन्हें अपने ही प्रदेश में अपने हक नहीं मिल पा रहे हैं। बाहरी व्यक्तियों द्वारा उनके हकों पर डाका डाला जा रहा है, यदि इसी प्रकार चलता रहा तो वो दिन दूर नहीं जब हम सभी मूल निवास अपने ही प्रदेश में अपने हकों के लिए मारे-मारे फिर रहे होंगे और बाहरी लोगों द्वारा प्रदेश में कब्जा कर हमे बेदखल कर दिया जाएगा, जो कि बहुत बड़ा संकट पैदा कर सकता है। कहा कि आने वाले समय में मूल निवासी अपने हकों और घरों को बचाने को लेकर कहीं उग्र रूप धारण न कर लें।

प्रदर्शन करने वालों में सुमन ढौंडियाल, राजेन्द्र बौंठियाल, विनोद खंतवाल, अम्मू रावत, दीपक डुकलान, चंद्रमोहन सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर लेता है: भागवताचार्य सुरेश बुड़ाकोटी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : व्यक्ति को अहंकार नहीं करना चाहिए, अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर लेता है। अहंकार ही मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।

जयहरीखाल विकासखंड के ग्राम सभा लमराड़ा में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा आयोजन के पंचम दिवस पर भागवताचार्य सुरेश बुड़ाकोटी ने यह बात कहकर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाया।

श्रीमद भागवत कथा सुनते हुए लोग।

श्रीकृष्ण की जन्म कथा का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। कथा व्यास आचार्य सुरेश बुड़ाकोटी शास्त्री ने बताया कि जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी, तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा। सात संतानों के बाद जब देवकी गर्भवती हुई, तो उसे अपनी इस संतान की मृत्यु का भय सता रहा था। भगवान की लीला वे स्वयं ही समझ सकते हैं।

भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए शास्त्री ने कहा कि जब-जब धरती पर धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान धरती पर अवतरित होते है जैसे ही कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ पूरा पंडाल जयकारों से गूंजने लगा। गुसाईं बंधुओ द्वारा आयोजित इस भागवत कथा में क्षेत्र के लमराड़ा, पीड़ा, कंदोली, चाई, कुणझोली, बौठा सहित दर्जन भर गांवो के ग्रामीण भागवत कथा का श्रवण कर रहे है।

उत्तराखण्ड शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

युग पुरुष, उत्तराखण्ड के प्रणेता, जनप्रिय पूर्व प्रधानमंत्री

"भारत रत्न"

स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी

की जयंती पर समस्त उत्तराखण्ड वासियों की ओर से

शत-शत नमन

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

सम्पादकीय

पर्यटन व्यवस्थाओं पर मंथन की जरूरत

पर्यटन प्रबंधन की दृष्टि से आने वाला यह सप्ताह बेहद उम्मीद भरा एवं महत्वपूर्ण है और इसका असर नजर भी आने लगा है। क्रिसमस एवं नए साल का आगाज धूमधाम से मनाने के लिए उत्तराखंड के पहाड़ पर्यटकों की अगुवाई के लिए तैयार है, लेकिन क्या आने वाले पर्यटकों को एक बेहतर यातायात प्रबंधन व्यवस्था तथा ठहराव के समुचित संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे? व्यावसायिक दृष्टि से देखें तो उत्तराखंड के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल नैनीताल, मसूरी, देहरादून व गढ़वाल के कुछ खास स्थान पर्यटकों की खास पसंद है। राज्य सरकार के लिए आने वाले पर्यटकों को समुचित सुविधाओं के साथ–साथ एक निर्वात रूप से चलने वाले यातायात प्रबंधन को व्यवस्थित करने की चुनौती है लेकिन प्रदेश के खास पर्यटक स्थलों में अभी से जाम की स्थिति नजर आने लगी है और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जिस प्रकार से तमाम होटलों की बुकिंग की जा चुकी है उसके बाद पार्किंग एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आने वाली है। राज्य गठन के बाद से ही उत्तराखंड को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने का प्रयास किया गया था लेकिन सरकारी पर्यटक ग्रहों की हालात नहीं सुधरी और ना ही पर्यटन स्थलों तक पहुंचाने के लिए परिवहन की स्थिति में कोई अधिक सुधार नजर आया। नैनीताल हो या फिर मसूरी कुछ खास मौके पर पार्किंग ने प्रशासन को बेहद परेशान किया जिसका खामियाजा पर्यटकों ने कई कई किलोमीटर तक अपने वाहनों में ही फंसकर उठाया। सही मायनों में स्थिति अभी भी कुछ इतनी अच्छी नहीं है की पर्यटन स्थलों पर समुचित पार्किंग की व्यवस्था हो पाई है। बात चार धाम यात्रा की हो या फिर खास मौकों पर उत्तराखंड के पर्यटक स्थलों पर विशेष आयोजनों की, पर्यटकों को अव्यवस्था का सामना करना ही पड़ा है। एक तरफ पर्यटक स्थलों को विकसित करने की योजनाएं सरकार की ओर से चलाई गई लेकिन विकास के नाम पर जो कुछ भी किया गया वह आज भी इस लायक नहीं है कि विभिन्न राज्यों से आने वाले पर्यटक अपने गंतव्य तक बिना किसी परेशानी के पहुंच सकें। उत्तराखंड का पर्यटन राज्य सरकार के लिए राजस्व का बड़ा विषय है लेकिन पर्यटन का अधिकांश लाभ अब निजी क्षेत्र को मिल रहा है। सरकारी गेस्ट हाउस या फिर गढ़वाल व कुमाऊं मंडल विकास निगम के पर्यटक गृह इन स्थितियों में नहीं है कि यहां से अधिकांश राजस्व अर्जित हो सके। सरकारी परिवहन व्यवस्था की बात करें तो उत्तराखंड रोडवेज आज भी विभिन्न पर्यटक स्थलों तक समुचित परिवहन व्यवस्था देने में सफल साबित नहीं हुआ है। तमाम अवस्थाओं के बावजूद उत्तराखंड के प्रति लोगों का रुझान बना हुआ है लिहाजा यहां बेहद जरूरी है कि राज्य सरकार प्रदेश के पर्यटन स्थलों को विकसित करने के साथ–साथ उन पर्यटन स्थलों को भी मानचित्र पटल पर लाय जहां प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटन की नई संभावनाओं को दिशा दे सकता है। पर्यटन के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण परिवहन व्यवस्था को पटरी पर लाना होगा जिसका एक महत्वपूर्ण समुचित पार्किंग व्यवस्था का होना है। पर्यटन के लिए आने वाले लोग यदि परिवहन एवं पार्किंग व्यवस्था के कारण असंतुष्ट होकर वापस लौटते हैं तो यह काफी निराशाजनक हो सकता है। ऐसा नहीं है कि सरकार पर्यटन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए उदासीन बनी हुई है बल्कि कई स्थान पर पार्किंग की संभावनाओं को तलाशते हुए निर्माण भी किए गए किंतु वाहनों का सैलाब कई बार इन व्यवस्थाओं पर भारी पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करना जरूरी है ताकि पर्यटक सुखद अनुभव लेकर वापस लौटे।

संसद परिसर में उड़ती खिल्ली के भोंडे आयाम

पंकज शर्मा

संसद की सीढ़ियों पर जगदीप धनखड़ जी की देहभाषा, सदन में कार्यवाही को संचालित करने की शैली और सोच–प्रक्रिया का स्वांग–मंचन देखने के बाद से मेरा दिमाग़ चकरघिन्नी बन गया है। इसलिए नहीं कि तृण–तृण के मूल–मूल में रमे राजनीतिक दल के एक सांसद कल्याण बनर्जी अपनी अभिनय कला का प्रदर्शन करने को ऐसे उतावले हो गए कि उन से रहा नहीं गया या ऐतिहासिक तादाद में विपक्षी सांसदों को निलंबित कर देने की सत्तासीन हंटरबाज़ी ने हम सभी की तरह उन्हें भी इतना उद्वेलित कर दिया कि वे आपा खो कर यह सब कर बैठे। इसलिए भी नहीं कि 2024 की गर्मियों में नरेंद्र भाई मोदी को रायसीना पहाड़ी से नीचे लुढ़क़ाने के लिए हो रहे हवन की तैयारियों के गंभीर प्रबंधन में लगे राहुल गांधी किशोर–उछाह के साथ इस दृश्य का अपने फ़ोन–कैमरे में चलचित्रीकरण करने में बेबात ही मशगूल हो गए। मेरा माथा तो इसलिए सन्ना रहा है कि धनखड़ जी और मैं दशकों से एक–दूसरे के प्रीतिपात्र रहे हैं और अब उन्हें इस हाल में देख कर मेरा मन रोने–रोने को कर रहा है।

मेरा स्पष्ट मानना है कि महामहिमों का मखौल नहीं बनाया जाना चाहिए। किसी भी हालत में नहीं बनाया जाना चाहिए। वे अधम से अधम गति को प्राप्त हो जाएं, तब भी उन का मज़ाक बनाना नीतिविरुद्ध है। ऐसा मैं इसलिए नहीं कह रहा हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी पिछले दस बरस से संसद के भीतर और बाहर कई मान्यवरों को अपनी उपहास–कला का उछल–उछल कर निशाना बना चुके हैं। प्रधानमंत्री जी ने ऐसा न किया होता तो भी मैं यही कहता कि कल्याण बनर्जी संसद की सीढ़ियों पर न कुदकते तो बेहतर होता और राहुल गांधी इस नज़ारे का छायांकन करने के बजाय कल्याण को समझाइश देते नजऱ आते तो देश इस में उन का बड़प्पन देखता।

लेकिन इस बुनियादी तत्व–चिंतन से मेरे भीतर के सांसारिक सवाल शांत नहीं हो पा रहे हैं। मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि 'महामहिम' कौन होता है? उपराष्ट्रपति या राज्यसभा के सभापति? अगर धनखड़ जी इसलिए महामहिम हैं कि वे राज्यसभा के सभापति हैं तो क्या फिर लोकसभा के अध्यक्ष भी महामहिम हैं? क्या संविधान के तहत गठित हर सदन के सभापति और अध्यक्ष 'महामहिम' दर्ज़ा–प्रदत्त हैं? विधानसभाओं, विधान परिषदों, ज़िला पंचायतों, नगर परिषदों और ग्राम सभाओं के अध्यक्षों को भी महामहिम क्यों नहीं माना जाना चाहिए?

मेरी मोटी बुद्धि के हिसाब से मैं तो अभी तक यही समझता था कि सिर्फ़ राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राज्यपाल को ही 'महामहिम' कहा जाता रहा है। लेकिन इस संबोधन को भी ग्यारह साल पहले हमारे देश से बाक़ायदा विदाई दे दी गई थी। प्रणव मुखर्जी ने राष्ट्रपति बनने के बाद अक्टूबर 2012 में संबोधनों की नई सूची को मंजूरी दी थी। तब से राष्ट्रपति को 'महामहिम' की जगह राष्ट्रपति महोदय और राष्ट्रपति जी कहा जाने लगा। ज़ाहिर है कि उपराष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए भी यही निर्देश लागू हो गए।

सो, धनखड़ जी की भावभंगिमाओं की नकल किसी महामहिम की अवमानना नहीं है। अब सवाल उठता है कि जो नकल उतारी गई, वह उपराष्ट्रति जी की देहभाषा की थी या राज्यसभा के सभापति की दैहिक–वैचारिक शैली की? सरकारी तंबुओं के ध्वनिविस्तारक यंत्र चार–पांच दिनों से हमें यह बताने में व्यस्त हैं कि 'उपराष्ट्रपति जी की' खिल्ली उड़ाई गई है। प्रधानमंत्री जी ने भावविह्वल हो कर उपराष्ट्रपति जी से फ़ोन पर बात की। राष्ट्रपति महोदया ने भावविह्वल हो कर उपराष्ट्रपति महोदय के मामले पर दुःख ज़ाहिर करते हुए ट्वीट किया। गृहमंत्री समेत सभी बड़े–बड़े मंत्री भावविह्वल हो कर उपराष्ट्रपति जी से जा कर मिले। लेकिन भावविह्वलता के इस सागर की उफ़नती लहरों से जूझता मैं अब भी यह सोच रहा हूं कि अच्छा–बुरा, सही–ग़लत, उचित–अनुचित, जो कुछ हुआ है, वह उपराष्ट्रपति के कर्तव्यों का पालन करने के नाते हुआ है या राज्यसभा के सभापति के कर्तव्यों का पालन–अपालन करने की वज़ह से?

राज्यसभा के सभापति संविधान के 64 वें अनुच्छेद के तहत सदन के अभिभावक की भूमिका निभाते हैं। वे सदन के प्रधान प्रवक्ता भी होते हैं। यह उन की 'पदेन' भूमिका है। सदन की कार्यवाही को संचालित करते वक़्त उन के अधिकारों, कर्तव्यों और सीमाओं का संविधान में विस्तार से ज़िक्र है। मगर उपराष्ट्रपति का पद 'पदेन' नहीं है। इस पद की ज़िम्मेदारियों, अधिकारों और कर्तव्यों का संविधान के अनुच्छेद 63 में तफ़सील से ब्यौरा दिया गया है। इन दोनों भूमिकाओं में फर्क़ है झ स्पष्ट अंतर है। इसे इस तरह समझिए कि राष्ट्रपति के न होने पर कार्यवाहक राष्ट्रपति की भूमिका उपराष्ट्रपति निभाते हैं, राज्यसभा के सभापति नहीं। धनखड़ जी कुछ विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति उपराष्ट्रपति होने की वज़ह से हैं, राज्यसभा के सभापति होने के कारण नहीं।

तो कल्याण बनर्जी जब अपने परिवर्जनीय करतब को संसद की सीढ़ियों पर अंजाम दे रहे थे तो वे उपराष्ट्रपति की नहीं, राज्यसभा के सभापति की कार्यशैली के प्रति अपना क्षोभ व्यक्त कर रहे थे। अगर किसी भी राष्ट्रीय, प्रादेशिक या नगरीय सदन के मुखिया के रवैए पर किसी भी सदस्य को ऐतराज़ हो तो वह अपनी झल्लाहट का इज़हार क्यों नहीं कर सकता है? अगर पुतले जला कर, अर्थी निकाल कर और मुर्दाबाद–मुर्दाबाद करने के खुरदुरे माध्यमों से अपनी अकुलाहट प्रदर्शित की जा सकती है तो ठिठोली जैसे रंगीले साधन से पीड़ित अपने मन की भड़ास निकालें तो उस पर इतना बावेला करने की क्या ज़रूरत है? सो, भी ऐसी बेतुकी और शरारत भरी हाय–हाय कि अरे मेरी तो पूरी जाति का अपमान हो गया, मेरे तो पूरे समुदाय का अपमान हो गया!

मुझे तो लगता है कि कल्याण और राहुल को घनघोर गुनाहगार साबित करने की होड़ के चलते हास्यास्पद उपक्रमों में लगे हुक़्मरानों को जऱा बहुदर्शी होने की ज़रूरत है। उन की बदरंगी चादर पर उजले रंग ऐसे नहीं चढ़ेंगे। देश तो ये सवाल पूछ रहा है कि मणिपुर में अदालत की दख़ल से महीनों बाद हो पाए सामूहिक अंतिम संस्कार पर कोई क्यों इतना भावविह्वल नहीं हो रहा? उपनिवेशकाल के क़ानूनों को बदलने के बहाने उन्हें और निरंकुश बना देने के पीछे कौन–सी नीयत काम कर रही है? विपक्ष–विहीन संसदीय व्यवस्था बनाने के लिए हो रही तिकड़में हमें अधिनायकवादी–दौर की किस अंधेरी खाई में ले जाएंगी? राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भी क्या उन की जाति–बिरादरी से पहचाना जाना चाहिए?

जो यह भूल रहे हैं कि असली दुनिया उन की इंद्रसभा से बाहर है, वे ऐसा गच्चा खाएंगे कि चौकड़ी भूल जाएंगे। महज़ अपने आसपास के गोल घेरे में गरबा कर रहे चेहरों के भरोसे लंबे सफ़र तय नहीं हुआ करते। तुक्के में छींके बार–बार नहीं टूटा करते।

सत्ता का बरामदा इन दिनों जिस तरह एकपक्षीय हो गया है और जिस तरह हर बात का बतंगड बनाने में लग गया है, वह किसी के गले नहीं उतर रहा है। नरेंद्र भाई के अगलियों–बग़लियों के भी नहीं। यह व्यग्रता जिस दिन अपनी रजाई झटकेगी, 'मोशा'–होश ठिकाने आ जाएंगे। तब संभलने का समय नहीं बचा होगा। संसद परिसर में हुई ताज़ा चुहलबाज़ी के प्रसंग ने मौजूदा सियासत के कई भोंडे आयामों से हमारा त'आरूफ़ करा दिया है। सब को सन्मति दे भगवान!

बचाव की मुद्रा में?

मोदी ने राय जताई कि कूटनीतिक संबंधों से जुड़ी कुछ घटनाओं से भारत–अमेरिका संबंध प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच 'परिपक्व एवं स्थिर सहभागिता' बनी है। अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियां भारत से संबंध को आज समान महत्त्व दे रही हैं।

खालिस्तानी उग्रवादियों गुरपतवंत सिंह पन्नूं और हरदीप सिंह निज्जर के मामलों में क्या भारत सरकार बचाव की मुद्रा में है? इस संदर्भ में दो नई खबरें अहम हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटिश अखबार फाइनेंशियल टाइम्स को इंटरव्यू देकर पन्नूं मामले में अपनी सरकार का रुख साफ किया है। उधर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बुधवार को कहा कि पन्नूं की हत्या की कथित साजिश के मामले में अमेरिका में भारत सरकार के एक अधिकारी पर इल्जाम लगने के बाद से भारत का सुर बदल गया है। भारत यह "समझ गया है कि वह अपनी नहीं चला सकता।" बेशक अमेरिका ने उसकी जमीन पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की कथित कोशिश को बेहद गंभीरता से लिया है। इस बारे में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन, सीआईए और एफबीआई के प्रमुख आदि ने सीधे अपने समकक्ष भारतीय अधिकारियों से बात की है। उधर न्यूयॉर्क की एक अदालत में अभियोग भी दायर किया जा रहा है। इसको लेकर भारत–अमेरिका संबंधों में पेच पडने की चर्चाएं तेज रही हैं। इसी सिलसिले में नरेंद्र मोदी ने राय जताई कि कूटनीतिक संबंधों से जुड़ी कुछ घटनाओं से दोनों देशों के संबंध प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच 'परिपक्व एवं स्थिर सहभागिता' बनी है। अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियां भारत से संबंध को समान महत्त्व दे रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'अगर हमारे किसी नागरिक ने कोई बुरा या अच्छा काम किया हो, तो हम उस पर गौर करने को तैयार हैं। हम कानून के राज के प्रति निष्ठावान हैं।' भारत इस मामले में अमेरिका से मिली सूचनाओं के आधार पर जांच कराने का एलान कर चुका है। उधर अमेरिका ने कहा है कि उसकी नजर जांच के नतीजे पर है। किसी विवाद पर अपना रुख स्पष्ट करना सही रास्ता है। मगर यह सवाल उठेगा कि क्या निज्जर के मामले में कनाडा के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के बाद अब इन मामलों में सचमुच भारत का रुख नरम पड़ गया है? गौरतलब है कि अमेरिका ने पन्नूं और निज्जर के मामलों को एक दूसरे से जुड़ा हुआ माना है।

खेलों से क्यों खफा मीडिया?

राजेन्द्र सजवान

दिन–रात नेताओं, सांसदों और दलगत राजनीति का भोंपू बजाने वाले टीवी चैनल, समाचार पत्रों और सोशल मीडिया को क्रिकेट के अलावा कोई दूसरा खेल और खिलाड़ी क्यों नजर नहीं आते?ज्अपने खिलाडिय़ों की पूरी तरह अनदेखी की जा रही है। खिलाडिय़ों को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा और उनकी उपलब्धियों का बखान नहीं किया जाएगा, तो क्या हम खेलों में बड़ी ताकत बन पाएंगे?

चूंकि देश को खेल महाशक्ति बनना है इसलिए खिलाडिय़ों को ग्रासरूट स्तर से विकसित किया जा रहा है। उन्हें स्कूल स्तर से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सरकारें अपने खजाने से उन पर भरपूर खर्चा कर रही हैं और सफल खिलाडिय़ों को राष्ट्रीय खेल अवार्ड बांटे जा रहे हैं। लेकिन खेलों को प्रोत्साहन देने के मामले में लोकतंत्र का चौथा स्तंभ लगभग खामोश सा है। ऐसा क्यों है? यह सवाल कभी कभार पूछा तो जाता है परंतु गंभीरता की कमी के कारण कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता है।

'जंगल में मोर नाचा किसने देखा', इस कहावत पर भारतीय खेलों के प्रति मीडिया की गंभीरता को परखा जाए तो, सिर्फ क्रिकेट ही ऐसा खेल है, जिस पर मीडिया मेहरबान है। खासकर, 1983 के विश्व कप में मिली खिताबी जीत के बाद से भारतीय मीडिया क्रिकेट का होकर रह गया।जहां तक बाकी खेलों की बात है, मीडिया को अन्य खेलों की याद तब आती है जब कोई खिलाड़ी ओलम्पिक और एशियाड में बड़ा करिश्मा करता है या फिर विश्व स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ता है। लेकिन क्रिकेट में टेस्ट, एकदिनी मुकाबलों, रणजी ट्रॉफी और स्थानीय एवं गली–कूचे के आयोजनों पर भारतीय प्रचार माध्यम हमेशा से मेहरबान रहे हैं।

दिन–रात नेताओं, सांसदों और दलगत राजनीति का भोंपू बजाने वाले टीवी चैनल, समाचार पत्रों और सोशल मीडिया को क्रिकेट के अलावा कोई दूसरा खेल और खिलाड़ी क्यों नजर नहीं आते? क्यों बाकी खेलों को अखबार के खेल पेज पर चार लाइनों के बराबर जगह नहीं मिल पाती? खासकर, देश की राजधानी के समाचार राष्ट्रीय और स्थानीय खेल आयोजनों को जगह नहीं देते। ऐसा क्यों? क्या ऐसे भारत खेल महाशक्ति बन पाएगा?

हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, कुश्ती, तैराकी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन और तमाम खेलों से जुड़ी खबरें राष्ट्रीय समाचार पत्रों से गायब हो रही हैं। चूंकि खेल खबरों को अखबार में जगह नहीं मिल पाती है इसलिए ज्यादातर खेल आयोजक और खेल संघ मीडिया से नाराज है।

क्रिकेट के अलावा, यूरोप और लैटिन अमेरिकी फुटबॉल, टेनिस और बास्केटबॉल की खबरें भारतीय मीडिया की पसंद है। अपने खिलाडिय़ों की पूरी तरह अनदेखी की जा रही है। क्या ऐसे भारत खेल महाशक्ति बन पाएगा? खिलाडिय़ों को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा और उनकी उपलब्धियों का बखान नहीं किया जाएगा, तो क्या हम खेलों में बड़ी ताकत बन पाएंगे?

इंडोनेशिया के निकेल–प्रसंस्करण प्लांट में विस्फोट में 12 की मौत, 39 घायल

इंडोनेशिया ,(एजेंसी) । इंडोनेशिया में रविवार को एक निकेल–प्रसंस्करण संयंत्र में विस्फोट के बाद कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 39 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्टों में ये बात कही गई है।

रिपोर्टों में कहा गया है कि सुलावेसी द्वीप खनिज समृद्ध देश के निकेल के उत्पादन का केंद्र है, जो इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी और स्टेनलेस स्टील के लिए उपयोग की जाने वाली धातु है। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना मध्य सुलावेसी प्रांत के मोरोवाली औद्योगिक पार्क में पीटी इंडोनेशिया त्सिंगशान स्टेनलेस स्टील के स्वामित्व वाले संयंत्र में सुबह लगभग 5:30 बजे हुई।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है, पीड़ितों की वर्तमान संख्या 51 हैं। घटना में 12 लोगों की मौत हो गई। मामूली और गंभीर चोटों वाले 39 लोग हैं जिनका वर्तमान में इलाज चल रहा है।

रिपोर्टों में कहा गया है कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विस्फोट एक भी में मरम्मत कार्य के दौरान हुआ जब एक ज्वलनशील तरल पदार्थ में आग लग गई और उसके बाद हुए विस्फोट के कारण पास के ऑक्सीजन टैंक भी फट गए।

दक्षिणी ब्राजील में हुई विमान दुर्घटना में 5 लोगों की मौत

रियो डी जनेरियो ,(एजेंसी) । ब्राजील के साओ पाउलो राज्य के एक रिहायशी इलाके में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक नाबालिग सहित पांच लोगों की मौत हो गई। खबरों के अनुसार, दमकलकर्मियों ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि सभी पीड़ित विमान में यात्रा कर रहे थे या नहीं, जो आकार में छोटा था।यह एकल इंजन वाला आरवी–10 विमान था जिसमें एक पायलट सहित चार लोगों के बैठने की जगह थी।

इराक में पीकेके के साथ संघर्ष में तुर्की के 6 सैनिकों की मौत

अंकारा ,(एजेंसी) । उत्तरी इराक में कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के लड़ाकों के साथ हुए संघर्ष में तुर्की के छह सैनिकों की मौत हो गई जबकि एक सैनिक घायल हो गया। तुर्की रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी।मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीकेके सदस्यों ने उत्तरी इराक में तुर्की के एक सैन्य अड्डे में घुसपैठ करने की कोशिश की जिसके बाद झड़पें शुरू हुईं। इसमें कम से कम 13 आतंकवादी मारे गए। क्षेत्र में संघर्ष जारी है और तुर्की की वायु सेना पीकेके के ठिकानों पर हवाई हमले कर रही है। तुर्की की सेना प्रायः उत्तरी इराक में पीकेके के ठिकानों पर जमीनी अभियान चलाती है या हवाई हमला और तोपखाने से बमबारी करती है, विशेष रूप से कांदिल पर्वत पर, जो पीकेके का मुख्य आधार है। तुर्की सरकार ने पीकेके के खिलाफ लडने के लिए अप्रैल 2022 में उत्तरी इराक में ऑपरेशन क्लॉ–लॉक शुरू किया था।पीकेके को तुर्की, अमेरिका और यूरोपीय संघ ने एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया है जो तीन दशकों से ज्यादा समय से तुर्की सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहा है।

बंदूकधारियों ने रात के अंधेरे में गांव पर बोला धावा, 12 बच्चों समेत 20 लोगों की गोलियां मारकर हत्या

बुरुंडी ,(एजेंसी) । अफ्रीकी देश कांगो से जुड़ी बुरुंडी की पश्चिमी सीमा के पास बंदूकधारियों ने कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी है। इस दौरान 9 अन्य लोग घायल हो गए। इस हमले में 12 बच्चों की भी जान चली गई है। पुलिस अधिकारियों को रेड तबारा ने मारने का भी दावा किया है। सरकार के अनुसार विद्रोही गुट रेड तबारा द्वारा किए गए हमले में 20 लोगों की जान चली गई है। सरकार के प्रवक्ता जेरोम नियोनज़िमा ने कहा कि वुगिज़ो नामक गांव में रात अचानक किए गए इस हमले में जो लोग मारे गए है।

श्रमिकों को 5 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा देगी तेलंगाना सरकार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किया वादा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राजीव आरोग्यश्री योजना के अंतर्गत कैब चालकों, फूड डिलीवरी कर्मियों और ऑटो चालकों को 10 लाख रुपये तक की चिकित्सा देखभाल कवरेज प्रदान करने के साथ–साथ साथ पांच लाख रुपये का दुर्घटना बीमा देने का वादा किया है। शनिवार शाम नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में एक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कैब ड्राइवरों, फूड डिलीवरी कर्मियों और ऑटो चालकों के सामने उत्पन्न होने वाले मुद्दों को संबोधित किया।

उन्होंने अधिकारियों को स्विगी डिलीवरी कर्मी के परिवार को दो लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया, जिसकी एक कुत्ते द्वारा पीछा किए

जाने और एक इमारत से गिरने के बाद दुखद मौत हो गई। इसके अलावा, श्री रेड्डी ने इन श्रमिकों के कार्यों को सुव्यवस्थित करने के लिए टी–हब द्वारा विकसित और ओला की तर्ज पर एक ऐप तैयार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बल देकर कहा कि राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी लेगी और अपने संबंधित व्यवसायों में श्रमिकों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर विचार करेगी।

सीएम रेड्डी ने राजस्थान की मौजूदा नीति से प्रेरणा लेते हुए प्रभावी नीतियों का अध्ययन करने और उसे लागू करने की सरकार की प्रतिबद्धता की बात की। उन्होंने संगठनों को मुनाफे के साथ–साथ श्रमिकों के कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया और निष्पक्ष रोजगार प्रथाओं का पालन करने में असफल रहने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने अपनी जान गंवाने वाले स्विगी डिलीवरी कर्मी के परिवार को पिछली सरकार से सहायता नहीं मिलने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को उसके परिवार की जानकारी एकत्रित करने और मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से उन्हें दो लाख रुपये की सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। कैब ड्राइवरों, फूड डिलीवरी कर्मियों और ऑटो चालकों को मुख्यमंत्री ने सलाह दी कि वे 28 दिसंबर से 06 जनवरी, 2024 तक आयोजित होने वाले ग्राम सभाओं में डिजिटल या मैन्युअल रूप से अपने आवेदन जमा करें। श्री रेड्डी ने आश्वासन दिया कि प्रजावाणी के माध्यम से प्राप्त सभी आवेदनों का निपटारा तुरंत किया जाएगा।

मणिपुर में हिंसा फैलाने की साजिश नाकाम, तलाशी अभियान में मिला गोला–बारूद का भंडार

इंफाल,(एजेंसी)। हिंसा की आग में झुलस रहे पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर में एक बार फिर से हिंसा फैलाने की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया गया. दरअसल, राज्य के नोनी जिले के कोबुरु रिज में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद का भंडार मिला है. बताया जा रहा है कि असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस के जवानों ने इनपुट के आधार पर बीते दिन संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया. इस दौरान यहां हथियार और गोला–बारूद का बड़ा जखीरा बरामद किया गया. इस दौरान एक एके 56 राइफल, एक सिंगल बैरल बंदूक, गोला–बारूद, 6 ग्रेनेड और युद्ध में इस्तेमाल जैसा भंडार बरामद किया गया. ये कोई पहला मौका नहीं है जब हिंसाग्रस्त मणिपुर में इस तरह का हथियारों का जखीरा मिला हो. इससे पहले 6 दिसंबर को भी असम राइफल्स ने सीमा सुरक्षा बल, भारतीय रिजर्व बटालियन और चुराचांदपुर पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया था.

दोहरे गर्भाशय वाली महिला बनी मां, जुड़वा बच्चियों को दिया जन्म, दोनों का जन्मदिन अलग–अलग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमरीका में अलबामा प्रांत की दो गर्भाशयों वाली 32 वर्षीय महिला ने दोनों गर्भाशय में अलग–अलग दिनों में जुड़वां बच्चियों को जन्म दिया है। महिला का नाम केल्सी हैचर है , जिन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट 'डबल्यूहैचलिंग्स' पर इसकी जानकारी दी। मसाज थेरेपिस्ट केल्सी ने अपने पोस्ट में लिखा, "हमारे चमत्कारिक बच्चे पैदा हुए।" उनकी पहली बेटी रॉक्सी लैला का जन्म मंगलवार की रात को हुआ और दूसरे रेबेल लेकन का बुधवार की सुबह को हुआ। प्रत्येक का वजन सात पाउंड (3.2 किलोग्राम) से अधिक था।

डॉक्टरों ने क्रिसमस के दिन बच्चे के पैदा होने की तारीख का अनुमान लगाया था, लेकिन 39 सप्ताह में दोनों बच्चो का जन्म हुआ। मां और बेटियों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। केल्सी ने आगामी दिनों प्रसव

के बारे में विवरण साझा करने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें 17 साल की उम्र से पता था कि उसे दुर्लभ जन्मजाम 'गर्भाशय डिडेल्फ़िस' है, एक दुर्लभ जन्मजात स्थिति जो लगभग 0.3 प्रतिशत महिलाओं को प्रभावित करती है। ऐसे मामलों में प्रत्येक गर्भाशय में केवल एक अंडाशय और एक फैलोपियन ट्यूब होता है। गत मई में आठ सप्ताह की नियमित अल्ट्रासाउंड यात्रा के दौरान केल्सी को पता चला कि इस बार उसके दोनों गर्भाशय में एक–एक भ्रूण मौजूद है।

हिंद महासागर में भारत आ रहे जहाज पर ड्रोन हमला, अटैक के बाद लगी आग, 20 भारतीय थे सवार

नई दिल्ली, एजेंसी। हमास और इजरायल में जारी जंग के बीच शनिवार को अरब सागर में इजरायल से संबद्ध जहाज पर ड्रोन से हमला किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला गुजरात के वेरावल से 200 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में किया गया है। हमले के बाद जहाज में आग लग गई, लेकिन समय रहते आग को बुझा दिया गया। यह जहाज सउदी अरब के एक बंदरगाह से भारत के मंगलौर आ रहा था।

इसके चालक दलों में 20 भारतीय शामिल थे। घटना के बाद भारतीय नौसेना का एक युद्धपोत मदद के लिए हिंदमहासागर में व्यापारिक जहाज की ओर रवाना हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आग तो बुझ गई है, लेकिन कामकाज पर इसका असर पड़ा है।

जहाज पर कैमिकल प्रोडक्ट लदा हुआ था। ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा फर्म एंब्रे

की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि भारत के पश्चिमी तट के पास अरब सागर में एक इजरायल–संबद्ध व्यापारिक जहाज को एक मानव रहित हवाई जहाज (ड्रोन) ने टक्कर मार दी, जिससे जहाज में आग लग गई। घटना के बाद मदद को भारतीय तटरक्षक बल ने निगरानी जहाज भेजा है। वहीं नौसेना भी अलर्ट हो गई है। वैसे तो यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस हमले के पीछे कौन है, लेकिन यमन के हाउतियों की भूमिका को लेकर शक जाहिर किया जा रहा है।

हमास के खिलाफ हमले में इजरायल डिफेंस फोर्सेज के 8 और सैनिक मारे गए : आईडीएफ

तेल अवीव ,एजेंसी । गाजा में लड़ाई तेज होने के कारण हमास के खिलाफ हमले में इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के 8 और सैनिक मारे गए हैं। आईडीएफ ने पांच और सैनिकों की मौत की घोषणा की। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि 27 अक्टूबर से अब तक मारे गए कुल सैनिकों की संख्या 152 तक पहुंच गई है। आईडीएफ द्वारा मृतक सैनिकों की पहचान हाइफा से डेविड बोगदानोव्स्की (19) और ओरेल बाशान (20), यिफ़्ताह से गैल हर्शको (20) और लैपिड से इतामार शेमेन (22) के रूप में हुई। हर्जलिया से मास्टर सार्जेंट नदाव इस्साकार फरही (30), हाइफा से मास्टर सार्जेंट एलियाहू मीर ओहाना (28) दोनों यिफ़्ताच ब्रिगेड एक पैदल सेना इकाई से थे। जेरूसलम से पैराट्रूपर्स सार्जेंट फर्स्ट क्लास इलियासफ शोशन (28),और कफर योना से सार्जेंट प्रथम श्रेणी ओहद अशूर (23) मध्य गाजा में मारे गए।

मस्जिद में अजान देने गए रिटायर्ड एसएसपी की गोली मारकर की हत्या

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के बारामूला जिले में एक रिटायर्ड एसएसपी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है. संदिग्ध आतंकी गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए. आतंकियों ने मस्जिद पर गोलीबारी भी की है. पिछले कुछ दिनों में आतंकियों की कायरना हरकत बढ़ती ही जा रही है. पूंछ में सेना के वाहन पर छिपकर हमला करने के बाद अब उन्होंने रिटायर्ड पुलिस अधिकारियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है.

कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट कर बताया

जम्मू–कश्मीर में आतंकियों की कायराना हरकत

है कि आतंकियों ने गांटमुला, शीरी बारामूला के रहने वाले मोहम्मद शफी के ऊपर हमला किया. रिटायर्ड एसएसपी के ऊपर गोलियां बरसाई गईं. उनके ऊपर ये हमला उस वक्त हुआ, जब वह मस्जिद में अजान दे रहे थे. गोली लगने की वजह से उनकी जान चली गई. जम्मू–कश्मीर पुलिस ने बताया है कि पूरे इलाके को घेर लिया गया है. लोगों से इस इलाके से दूर रहने को कहा गया है और मामले की जांच की जा रही है. वहीं, पिछले कुछ हफ्तों में जम्मू–कश्मीर में आतंकी हमलों की संख्या बढ़ती जा रही है. गुरुवार को केंद्र शासित प्रदेश के पुंछ जिले में सेना के जवानों को एक घेराबंदी और तलाशी अभियान स्थल पर ले जा रहे वाहनों पर आतंकियों ने घात लगाकर हमला किया. आतंकियों की इस कायराना हरकत में सेना के पांच जवान शहीद हो गए, जबकि तीन जवान घायल हो गए. रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ सैनिकों के हथियारों को भी लूट लिया गया. दूसरी ओर, पुंछ में हुए आतंकी हमले को लेकर पूछताछ के लिए लाए गए तीन लोगों की मौत पर बवाल खड़ा हो गया है. सेना ने पूछताछ के लिए जिन तीन लोगों को बुलाया था, उनकी संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई. सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी सामने आए, जिनमें संदिग्धों को प्रताड़ित करते हुए दिखाया गया. वीडियो सामने आने के बाद से ही लोगों में काफी नाराजगी है. अभी तक इस मामले पर सेना और नागरिक प्रशासन के अधिकारियों की तरफ से कुछ नहीं कहा गया है.

एलिसा हीली बनीं फोटोग्राफर, भारत की ऐतिहासिक जीत को कैमरे में कैद करती आईं नजर

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का सपना आखिरकार रविवार की सुबह पूरा हो गया, जब हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट मैच जीता। भारतीय महिला टीम ने 1977 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेला था। उसके 46 साल बाद महिलाओं ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रचा। इस ऐतिहासिक पल को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इसमें सोने पर सुहागा तब हुआ जब एलिसा हीली खुद फोटोग्राफर बन गईं। यह तब हुआ जब भारतीय टीम ने चैंपियंस होर्डिंग के खड़े होकर जश्न मना रही थी। तब ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली ने अपना फोटोग्राफी हुनर दिखाया। हीली को भारतीय टीम की तस्वीरें क्लिक करते देखा गया। ट्रॉफी उठाने के क्षण की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं और क्रिकेट फैंस हीली के कार्य से बहुत प्रभावित हुए।

हरमनप्रीत कौर ने टीम को दी बधाई

हरमनप्रीत कौर इस बड़े पल से बेहद खुश दिखाई दीं। मैच के बाद उन्होंने कहा कि यह हमारे इतने सालों तक की गई कड़ी मेहनत का इनाम है। इसका श्रेय हमारे सभी सहयोगी स्टाफ, खासकर हमारे गेंदबाजी कोच और बल्लेबाजी कोच को जाता है। हरमनप्रीत कौर ने कहा कि हमने चीजों को बहुत सरल रखने की कोशिश की।

ऐसा रहा मैच का हाल

बात करें मैच की तो ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 219 रन बनाए थे। तहलिया मैक्ग्रा ने अर्धशतकीय पारी खेली थी। पूजा वस्त्राकर ने चार विकेट चटकाए थे। इसके जवाब में भारत ने पहली पारी में 406 रन बनाए। स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा ने अर्धशतकीय पारी खेली। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 261 रन पर सिमट गई और भारत ने दो विकेट खोकर 75 रन बनाकर मैच जीत लिया।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ सुनील गावस्कर ने चुनी अपनी प्लेइंग इलेवन, ओपनिंग जोड़ी में किया बदलाव

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच सेंचुरियन में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। 26 दिसंबर को बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में दोनों टीमें एक दूसरे के आमने–सामने होंगी। मैच से पहले सुनील गावस्कर ने अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। गावस्कर ने तीन तेज गेंदबाजों के साथ दो स्पिनर का विकल्प चुना है। स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए सुनील गावस्कर ने अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा की। गावस्कर ने साउथ अफ्रीका की परिस्थितियों को देखते हुए प्लेइंग इलेवन बनाई है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को मौका दिया है। गावस्कर ने तेज गेंदबाज और स्पिन का संयोजन बनाया है।

गावस्कर ने अपनी प्लेइंग इलेवन का किया खुलासा

गावस्कर ने कहा, मेरी प्लेइंग इलेवन बहुत सरल होने वाली है। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान रोहित शर्मा होंगे। शुभमन गिल नंबर तीन, नंबर चार विराट कोहली। नंबर पांच केएल राहुल, नंबर छह श्रेयस अय्यर या पांच और छह जो इधर–उधर हो सकता है। उसके बाद रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन होंगे। फिर तीन तेज गेंदबाज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

शमी और ऋतुराज गायकवाड़ सीरीज से बाहर

बता दें कि टखने की चोट के कारण मोहम्मद शमी के बाहर होने से तेज गेंदबाजी विभाग को झटका लगा है। वहीं, अंगुली में चोट लगने से ऋतुराज गायकवाड़ भी बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अभिमन्यु ईश्वरन को टीम में जगह दी गई है। वहीं, विराट कोहली भी पारिवारिक कारणों के चलते भारत वापस लौट आए हैं, हालांकि उनके साउथ अफ्रीका वापस लौटने की उम्मीद है।

सुनील गावस्कर की प्लेइंग इलेवनः–

रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज

टेस्ट डेब्यू से पहले ही पिता का हो गया था देहांत, अब ऑस्ट्रेलिया को चित कर बन गईं है सुपस्टार

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वानखेड़े में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रच दिया। भारत ने टेस्ट इतिहास में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को हराया है। भारत ने 8 विकेट से ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी। इस मैच की हीरो रहीं ऑलराउंडर स्नेह राणा। राणा ने दमदार प्रदर्शन किया। स्नेह राणा ने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 2.90 की इकॉनमी से 22 ओवर में 63 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, पहली पारी में राणा ने 3 विकेट लिए थे। स्नेह राणा ने कुल 7 विकेट झटके। राणा का यह टेस्ट क्रिकेट में अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यहां तक पहुंचने के लिए स्नेह राणा को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

टेस्ट डेब्यू से पहले ही पिता का हुआ था देहांत

स्नेह राणा को 2021 में इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट और वनडे टीम के लिए चुना गया। टीम की घोषणा होने के दो महीने पहले ही स्नेह राणा पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनके पिता का देहांत हो गया। ब्रिस्टल में 16 जून 2021 को टीम की जर्सी के साथ अपने पिता को याद करते हुए स्नेह राणा ने लिखा था, 'काश! आप यह देखने और इस पल को जीने के लिए यहां होते।'

ऐसा रहा है प्रदर्शन

स्नेह राणा ने भारत के लिए अब तक 25 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें वह 27 विकेट ले चुकी हैं। वनडे में 4/30 उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। उन्होंने 25 टी20 मैच में 24 विकेट झटके हैं। वहीं, 3 टेस्ट मैच में 13 विकेट ले चुकी हैं। टेस्ट में स्नेह ने 80 रन की नाबाद पारी खेली।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराया

टेस्ट मैच की बात करें, तो ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 219 रन बनाए, जबिक दूसरी में 261 रन पर सिमट गई। भारत ने पहली पारी में 406 रन बनाए।

वापसी को बेताब टी20 का नंबर–1 बल्लेबाज, सोशल मीडिया पर शेयर किया इंजरी का अपडेट

नई दिल्ली। भारत की टीम इन दिनों दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। इससे पहले टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज खेली। भारत की टी20 सीरीज ड्रॉ रही।

सूर्या ने दिया इंजरी पर अपडेट–

पहला मैच बारिश के कारण ड्रॉ रहा। इस बीच भारत के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आखिरी मैच के दौरान चोटिल हो गए। ऐसे में सूर्या ने फैंस के साथ अपनी चोट को लेकर अपडेट शेयर किया है। उन्होंने शनिवार को अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया है।

इंजरी को लेकर हुए गंभीर सूर्या–

वीडियो में सूर्या सहारा लेकर चल रहा है। इसके साथ ही उनके पैर में प्लास्टर नजर आ रहा है। इस बीच वे अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में खेलेंगे या नहीं इस पर कोई बयान नहीं है। सूर्यकुमार ने पोस्ट में कैप्शन शेयर करते हुए कहा कि "गंभीर रूप से एक बात कहते हुए कि चोटें कभी भी मजाक नहीं होती हैं।"

सूर्या ने जल्द लौटने का किया वादा–

सूर्या ने आगे कहा कि मैं इसे गंभीरता से लूंगा और कुछ ही समय में पूरी तरह से फिट होकर वापस आने का वादा करता हूं। आशा है कि आप सभी छुट्टियों के मौसम का आनंद ले रहे होंगे और हर रोज खुशियों का मजा ले रहे होंगे।

बीसीसीआई ने नहीं दिया सूर्या पर कोई अपडेट–

अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए सूर्या सीरीज में शामिल होंगे या नहीं। इसे लेकर बीसीसीआई की ओर से अभी कोई बयान नहीं दिया गया है। भारत 11 जनवरी से अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेलने जा रहा है। सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में 156 रन बनाए। साथ ही वह सीरीज में प्लेयर ऑफ मैच भी रहे। टी20 में उनका 117 बेस्ट स्कोर है।

हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी ने रचा इतिहास, भारतीय महिला टीम की जीत पर अमित शाह ने जताई खुशी

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में शानदार जीत हासिल की है। भारत ने इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट जीत हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया को भारत ने दी हार

ऑस्ट्रेलिया को भारत ने 8 विकेट से धूल चटाई है। ऐसे में टीम की इस शानदार जीत पर सभी ने कप्तान समेत टीम को बधाई दी है। देश के गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय महिला टीम की इस जीत पर खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी और गर्व जताया है।

क्या बोले गृह मंत्री

गृह मंत्री ने कहा कि हमारी टीम पर हमें गर्व है। हमारी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट में जीत करने पर बधाई। आपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत

की नारी शक्ति का शानदार उदाहरण पेश करते हुए इतिहास रचा है। आपको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। जीत हमेशा आपकी हो।

मैच का हाल

अगर मैच की बात करें तो भारतीय गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यह जीत अपने नाम की। पहली पारी में भारत की पूरी टीम 406 रन पर पवेलियन लौट गई। इस बीच भारत ने चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम को 261 रन पर पवेलियन भेजा।

भारत ने रचा इतिहास

भारत को दूसरी पारी में जीत के लिए केवल 76 रन की जरूरत थी। बारत की ओर से स्मृति मंधाना और ऋचा घोष ने 51 रन की मैच विनिंग साझेदारी करते हुए जीत भारत के नाम की। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार टेस्ट सीरीज में अपनी धरती पर जीत हासिल की।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com